MAKIMIM GOVI GAZ., WHI 10, 1902 (VISK. 20, 1904 BAKA)

शुद्धि पत्न

क्रमांक 150-ज-II-82/14068.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग द्वारा जारी की गई प्रधिसूचना क्रमांक 150-ज-II-82/10737; दिनांक 26 मार्च, 1982 की नौवीं कतार में 'श्रीमती भरती' की बजाये 'श्रीमती भरतो देवी' पढ़ा जाए ।

दिनांक 28 अप्रैल, 1982

कमांक 575-ज-I-92/14682.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ध्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए ग्रिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती कमला बाई, विधवा श्री हजारी सिंह, गांव देवसर, तहसील व जिला भिवानी को रबी, 1973 से खरीक, 1979 तक 200 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 350 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गयी शर्तों के प्रनुसार सहपं प्रदान करते हैं।

- दिनांक 3 मई, 1982

क्रमांक 519-ज-II-82/15322.—श्री खचेडू राम, पुत्र श्रीः रिसाल, गांव नायुंपुर, तहसील व जिला गुड़गांवा, की दिनांक 6 मई, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(ए) तथा 3(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री खचेडू राम को मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 4875-र-III-69/18232, दिनांक 4 श्रगस्त, 1969 तथा ग्रिधसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमती छिजया के नाम खरीफ, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 611-ज-(II)-82/15329.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गए ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री नेखी राम, पुत्र श्री रछपाल, गांव ढुवलधन, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहुर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 612-ज (II)-82/15337.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री चन्दछ, पुत्र श्री हेमकरन, गांव कटेसरा, तहसील व जिला रोहसक, को रवी, 1973 से खरीफ़, 1979 सक 150 रुपणे वार्षिक, तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 608-ज(II)-82/15341.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर उसमें आज तक संभोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपुरक श्री जयनारायण, पुत्र श्री वसन्ता, गांव कमालपुर, तहसील नरवाना, जिला जीन्द, को खरीफ, 1973 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 645-ज(II)-82/15345.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों में आग प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री टेक चन्द कटारिया, पुत्र श्री शुभ राम कटारिया, गांव गुड़गांवा, तहसील व जिला गुड़गांवा, को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपए वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।